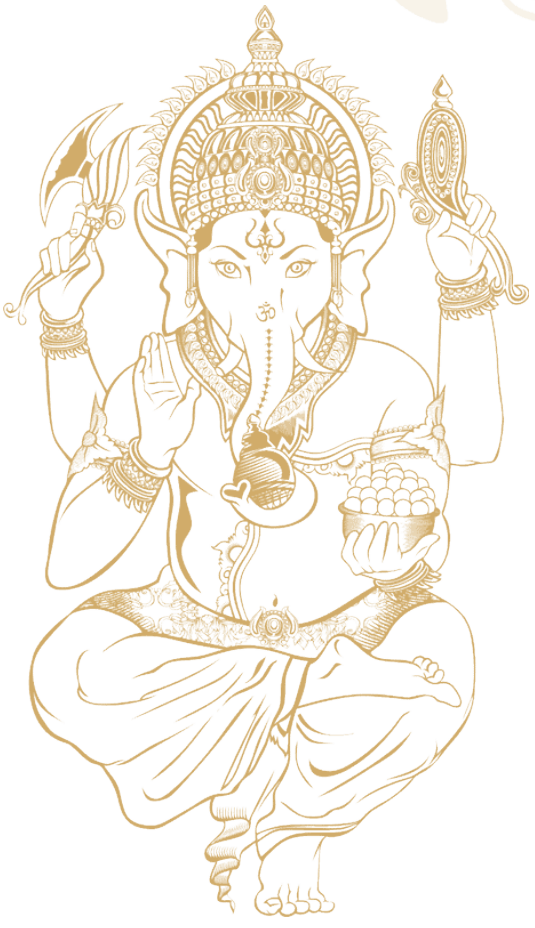

Mr.lakhmi kumari

19 Aug 2025

10:46 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120181002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/08/2025**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:46:00 घंटे**
इष्ट	13:48:02 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:06:16 घंटे
वेलान्तर	-00:03:38 घंटे
साम्पातिक काल	08:57:31 घंटे
सूर्योदय	05:14:47 घंटे
सूर्यास्त	18:11:20 घंटे
दिनमान	12:56:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:16:48 सिंह
लग्न के अंश	15:22:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घटी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:22:16	315:35:12	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	02:16:48	00:57:45	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	11:42:12	13:54:57	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			कन्या	13:29:05	00:38:08	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	13:43:14	00:55:46	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	21:14:51	00:11:48	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	28:05:40	01:11:06	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		मीन	06:37:00	00:03:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:16:19	00:02:47	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:16:19	00:02:47	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:06:40	00:00:54	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:26:34	00:01:17	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	07:48:27	00:01:15	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	17:42:18	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

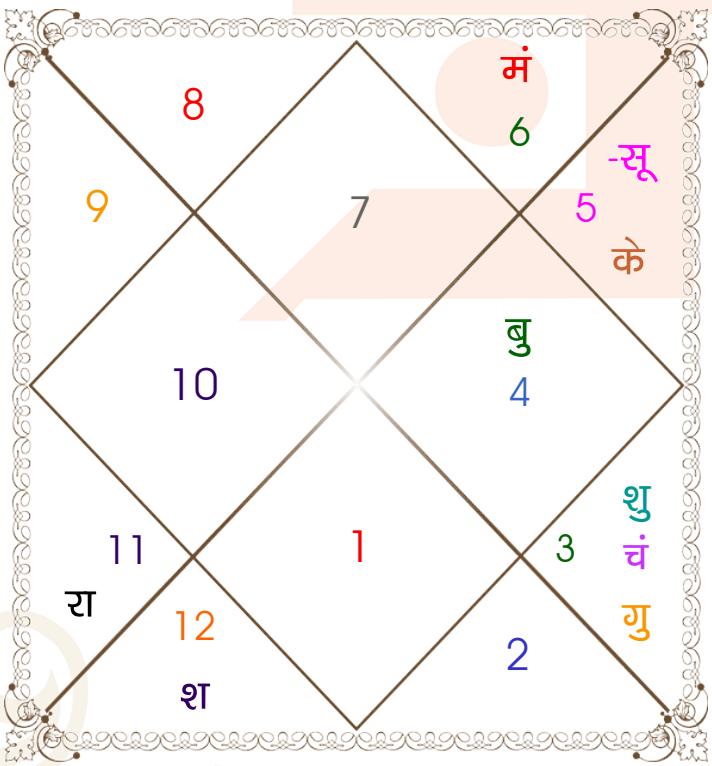

चन्द्र कुंडली

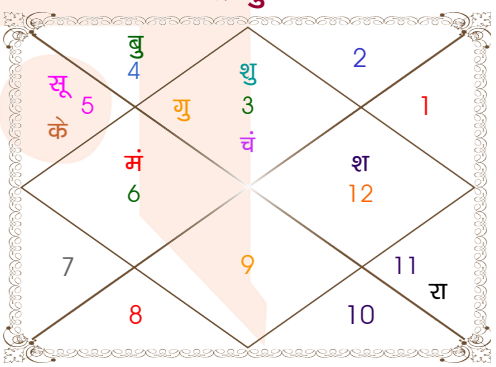

नवमांश कुंडली

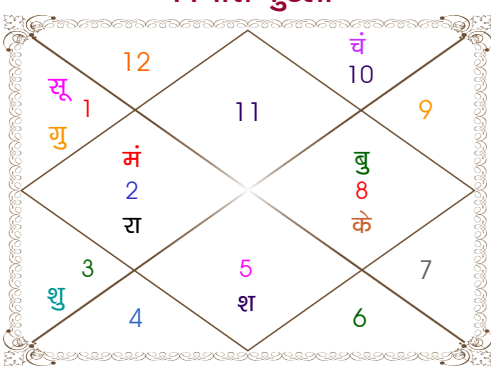

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 11 वर्ष 2 मास 12 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/08/2025		31/10/2036		31/10/2052		01/11/2071		31/10/2088	
31/10/2036		31/10/2052		01/11/2071		31/10/2088		01/11/2095	
	00/00/0000	गुरु	19/12/2038	शनि	04/11/2055	बुध	29/03/2074	केतु	29/03/2089
	19/08/2025	शनि	01/07/2041	बुध	14/07/2058	केतु	27/03/2075	शुक्र	29/05/2090
शनि	13/10/2026	बुध	07/10/2043	केतु	23/08/2059	शुक्र	24/01/2078	सूर्य	04/10/2090
बुध	02/05/2029	केतु	12/09/2044	शुक्र	22/10/2062	सूर्य	01/12/2078	चंद्र	05/05/2091
केतु	20/05/2030	शुक्र	14/05/2047	सूर्य	04/10/2063	चंद्र	01/05/2080	मंगल	01/10/2091
शुक्र	20/05/2033	सूर्य	01/03/2048	चंद्र	05/05/2065	मंगल	28/04/2081	राहु	19/10/2092
सूर्य	14/04/2034	चंद्र	01/07/2049	मंगल	13/06/2066	राहु	16/11/2083	गुरु	25/09/2093
चंद्र	13/10/2035	मंगल	07/06/2050	राहु	19/04/2069	गुरु	21/02/2086	शनि	03/11/2094
मंगल	31/10/2036	राहु	31/10/2052	गुरु	01/11/2071	शनि	31/10/2088	बुध	01/11/2095

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/11/2095		02/11/2115		01/11/2121		02/11/2131		01/11/2138	
02/11/2115		01/11/2121		02/11/2131		01/11/2138		00/00/0000	
शुक्र	02/03/2099	सूर्य	19/02/2116	चंद्र	02/09/2122	मंगल	30/03/2132	राहु	15/07/2141
सूर्य	02/03/2100	चंद्र	20/08/2116	मंगल	03/04/2123	राहु	17/04/2133	गुरु	08/12/2143
चंद्र	01/11/2101	मंगल	26/12/2116	राहु	01/10/2124	गुरु	24/03/2134	शनि	20/08/2145
मंगल	01/01/2103	राहु	19/11/2117	गुरु	31/01/2126	शनि	03/05/2135		00/00/0000
राहु	01/01/2106	गुरु	08/09/2118	शनि	02/09/2127	बुध	29/04/2136		00/00/0000
गुरु	01/09/2108	शनि	21/08/2119	बुध	31/01/2129	केतु	25/09/2136		00/00/0000
शनि	02/11/2111	बुध	26/06/2120	केतु	01/09/2129	शुक्र	26/11/2137		00/00/0000
बुध	02/09/2114	केतु	01/11/2120	शुक्र	03/05/2131	सूर्य	02/04/2138		00/00/0000
केतु	02/11/2115	शुक्र	01/11/2121	सूर्य	02/11/2131	चंद्र	01/11/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 11 वर्ष 2 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।